मौर्यकालीन राजनैतिक जीवन एवं शासन व्यवस्था

डॉ0 रूबी कुमारी

मौर्यकाल ईसा पूर्व चतुर्थ शताब्दी में प्रारम्भ हुआ था। मौर्य साम्राज्य का संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य था। जिसकी गणना भारत के महान शासकों में की जाती है। चंद्रगुप्त मौर्य सिंकदर तथा सैल्यूकस का समकालीन था।' यूनानी साहित्य में इसको 'सेण्ड्रोकोट्स' अथवा 'ऐण्डोकोट्स' कहा गया है। इस वंश के अन्य शासकों में बिन्दुसार, अशोक महान प्रमुख हैं। अशोक ने भेरीघोष बंद कर धम्मघोष प्रारम्भ किया।' जिससे यह भारत वर्ष का महानतम् सम्राट बना। इसके बाद कुणाल शासक बना, कुणाल के बाद दशरथ तथा दशरथ के पश्चात् सम्प्रति, शालिशुक, देववर्मन व शतधनुष शासक बने। अन्तिम शासक बृहद्रथ था जिसकी हत्या पुष्यमित्रशुंग ने करके, मौर्यवंश का अंत कर दिया। मौर्य क्षत्रिय थे, मौर्यकाल में भारत ने पहली बार राजनीतिक एकता प्राप्त की थी। विशाल मौर्य साम्राज्य की व्यवस्था पर प्रकाश डालने वाले अनेक ऐतिहासिक स्त्रोत उपलब्ध हैं। जिनसे ज्ञात होता है कि चन्द्रगुप्त मौर्य एक महान विजेता तथा योग्य प्रशासक था। कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' तथा मैगस्थनीज की 'इण्डिका' अशोक के शिलालेख' व अनेक यूनानी रचनाओं से मौर्यशासन प्रणाली के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।